₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 76; 17/07/2018

बिषय सूची

पांगेई कतु खरु असु	1
कुई पढ़ाण दिए, कुई बचाण दिए।	2
मेहणु सोच	2
आत्म सम्मान	3
मदती लिए प्रार्थना	4
खास बोके	4

तुस बुन्ह दुतो नम्बर बठ फोन कइ सकते त अकाशवाणी जे बोक कइ सकते। तुस अपु मनपसन घीते शुण सकते। होर तुस अपु समाचार बी दी सकते, से बि पांगेई भाषा अन्तर।

AIR SHIMLA- 0177 2808152

धाणि त **तसे जुएली** केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, आठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचांते त तेस पढ़ान्ते ।

पांगेई कतु खरु असु!

पांगेई कतु खरु असु
केसे केसे कोई पता नेई,
किस कि में पांगेई असु
सोबी केआं खरु।
पांगेई कतु खरु असु
एठि भुंतु नीलु नीलु घास त
ठानु ठानु पुओणी
हें पांगेई जे सोबी के मन
लचींता।

किस कि ए स्वर्ग केआं कम नेई।
पांगेई कतु खरु असु
पांगेई मेहणु सोबी केआं खरे भुंते।
पांगेई मेहणु बोड़े भारी दहापुरे भुंते।

सोबी की खरी दहा कते
सोबी अपु मनते,
पांगेई कतु खरु असु
किस कि सोब मेहणु यक होरी जोई
उई मी कइ बिश्ते।
तेसे बेलि पता लगता कि
ए कतु खरे अब्बल असे,
पांगेई कतु खरु असु।

गर्मी अन्तर त ए सोबी केआं सुआ अब्बल केतु।
मन कता कि पांगेई कियां बहेरी ना घेण,
किस कि किस्मी.किस्मी फियुड़ भुंते, से ती अब्बल लगते।

यक झलक में पांगेई कना
अउं पांगेई एई गा।
अउं खुश असा कि अउं पांगेई गा।

मोउं की बतांण
पांगेई मोउं की मेई गोउ।
तुसी जोई एन्ही अब्बल बादी अन्तर जिन्दगी जीणे यक मौका मेई गोउ।
विनोद कुमार 9459828290

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

कुई पढ़ाण दिए, कुई बचाण दिए

अचेल मेह्णु कुई त कोयी बुछ भेदभाव कते। जेसे गी कुआ जम्मता त जाठ लगती। जिखेईं कुई जम्मती त सम्हाई परशान भुन्ते। केहि त कुई जम्मती त तिखेईं मार छते होर केहि त ई कते कि कुई ना पाड़ते। केहि पाड़ता त झठ जे कुई ब्याह कती। तठ भी दहज देण पड़ता। केहि त जिखेईं कुई जम्मती त तस कलंख सोचते। अउं बोती कि कोई बी कुई दुनिया जे कलंख ना भुन्ति।

अचेल त कुई कोयी केआं बधण लगो असी। कोउं ई जगह नेईं जेठि कुई ना पुजो भोल। अंतरीक्ष अन्तर कल्पना चावला पुज गो असी। सोउं भारते बोर्डर पुठ बि कुई रात भई पेहरा देन्ति। तेन्हि अपु ईये बोउए नोउ रोशन करण असु। अउं त बोती कि कुई ना केस केआं कम थी, ना असी, ना भुन्ति। में एस बोक सम्हाई याद रखे की 'कुई पढ़ाण दिए, कुई बचाण दिए'।

मीनाक्षी, अष्टम कक्षा, सरस्वती विद्या मंदिर, किलाड़

अचेल असी गीहा बहार घेण देन्ते ई नाओ। जिखेईं बि घिए त पुछते कि 'को जे गो असी तु?' जेस कुई अपु ईए बोउए डर न भुन्ता, से कुई अपु नश घेन्ति। इस लिए श्री नरेद्र मोदी जी बोलु कि 'कुई पढ़ाण दिए'। केहि कुई के ई बोउ तेनि अपु गी कमुंण जे रखते। सिद कुआ पढ़ान्ते। कुई बी पढ़ाण चहिए। कुई अपु अकेले बहार घेण न दे। अचेल कुआ कुई छेड़ते। कुई जिखेईं बोडी भोल त ईए बोउए सेवा कती। कुआ अपु अवारे भुन्ते और ईए बोउए सेवा ना कते। इसलिए अपु कुई पढ़ांण दिए, से तुं नोउ रोशन कती। तोउं मोटे भोई कर कुछ बण कर हरालती। तोउं त 'बेटी पढ़ाण दिए, बेटी बचाण दिए', नारा दितो असा बे। सिर्फ कुआ ना कुई बि पढ़ांण दिए।

ईशीता, सप्तम कक्षा, सरस्वती विद्या मंदिर, किलाड़

मेह्णु सोच

यक लिंग टाई मितर यक गडी अन्तर कुरैह् जे गो थिए। तेन्के गाडी एक्सिडेन्ट भोई गई त से टहिओ मर गे। यम दुती से यमलोक जे नी छड़े। जिखेईं से यमलोक पुजे त यमराजे तेन्हि केआं पुछु: तुस अपुं बारे अपुं मितरी केईआ कीं शुणुण चहन्ते?"

पेहला तेन बोलु, "अउं अपु मितरी ई बोते शुणुण चहन्ता कि अउं कतु खरा डाक्टर थिआ त मेईं कतो मेह्णु ठीक किए।"

दोके तेन बोलु, "अउं अपु मितरी ई बोते शुणुण चहन्ता कि अउं कतु खरु पढ़ान्ताथ। में पढ़ाओ गभुर केतो बोडे अफसर बण गो असे।"

टेके मितरे धिक सोच कइ बोलु, "अउं अपु मितरी ई बोते शुणुण चहान्ता 'हेरे, ए लुकुण लगो असा।'"

आत्म सम्मान

षम्मा सिंह

मनीष नोउए यक कुआ थिआ। से बारमी पास कर कइ पेहली पेहली बार कॉलेज गा। तथ होरे गभुर हेर कइ तस तीं परेशानी भुई। तस ई पता लगण नेओथ लगो कि ए गभुर एतु खुलकइ कीं बोकधोक कते, कीं होरी जुए घूमते फीरते त पढ़ाई बि कते। ई नेई कि से हेरण बिलकुल कुस्तुरा थिआ, होर पढ़ाई अन्तर कमजोर थिआ। पर तस लगतुथ कि होरे गभुर तस केआं ज्यादा अब्बल त स्मार्ट असे। तसे बि मन कताथ कि से बि मज्जे जुए बिशे त तसे बि यारी-दोस्ती भोल। पर से हमेशा चुपचाप बिश्ताथ त होरी जुए राड़ताथ नाओ। मनीष जुए जे भुण लगो थी, तस जे बोते 'आत्म सम्माने कमी'। जीं हें जिसम अन्तर विटामिन-A कमी भुणे बेलि नजर कमजोर भोई घेन्ति, तीं आत्म सम्माने कमी भुणे बेलि मनखे जीवन अन्तर सुआ मुश्किले एन्ति। एईए, इस फेरी हेरते कि आत्म सम्माने कमी भुणे बझह की की असी।

<u>परेम त कदरे कमी:</u> मठड़ियारी केआं अगर केसे सुसुर परेम ना मेओ भोल, होर तसे केनि कदर ना किओ भोल त तेस केईं आत्म सम्माने कमी भुन्ति। तेन्हि लगतु कि तेन्के कोई अहमियत नेई, होर तेन्के सोचे कोई मुल नेईं।

<u>आत्म विश्वासे कमी:</u> मठड़ गभुर जे जपल अस इज्जत देन्ते, तेन्के बोक शुणते, तेन्के ठीक किओ बोकी के कदर कते त तेन्के आत्म विश्वास बधता। पर अगर अस तेन्के होर बोकी पुठ नाह कते त तेन्हि अन्तर आत्म विश्वासे कमी एन्ति। एसे बेलि तेन्के आत्म सम्मान बि कम भोई घेन्ता।

<u>दोस्ती के जोर त गुण्डागर्दी:</u> दोस्ती के जोर त गुण्डागर्दी बेलि बि आत्म सम्माने कमी भुन्ति। जपल कोउं दोस्ती के जोर अन्तर दबी कइ अपु इच्छाई खिलाफ कम कता त तस अन्तर आत्म सम्माने कमी एई घेन्ति। मठड़यारी अन्तर गुण्डागर्दी बेलि बि आत्म सम्माने कमी भोई घेन्ति।

<u>अपु पेछाण ना भुण:</u> जपल असी केईं अपु बारे सुसुर जानकारी ना भोल त असी अन्तर आत्म सम्माने कमी एन्ति। तोउं त, जपल अस मठड़ भुन्ते, हें अन्तर आत्म विश्वास घट भुन्ता, पर जपल बोडिन्ते घेन्ते त असी अपु बारे सुसुर जानकारी मेती होर अस अपु इज्जत बि कते। कपले कपले अस अपफ ना पेछाण कइ होरी जोई बराबरी करणे कोशिश कते। होर नाकमियाब भोई कइ दुखी भोई घेन्ते त अपफ जे ग्ये देन्ते।

हें बुछ सोबी के कोई ना कोई आदर्श असे। केहि जे शहिद कपूर त केहि जे आलिया भट्ट, होर केहि जे विराट कोहली त केहि जे मिताली राज होर सानिया मिर्जा असी। अस एन्हि अपु आदर्श मानते किस कि ए जे बि कते, अपु अपु कम अन्तर अब्बल त महेर भुन्ते। एन्हि सोबी अन्तरा यके बोक साधारण असी, से भो: एन्के 'आत्म विश्वास' त एन्के अन्तर भो 'आत्म सम्मान'। याद रखे कि अगर अस अपु अपफ सम्मान ना देन्ते, अपु इज्जत ना कते त दुनिये मेहणु बि कदी हें कदर ना कते। होर फेरी अस हेरते कि कीं कइ अपु आत्म सम्मान बधाइ सकियेल।

मदती लिए प्रार्थना

ए परमेश्वरा, मोउं बचाण दे, किस कि यक बि भक्त न रिहा। मेह्णु अन्तरा विश्वास करणे लेख सोब मरी मुखि गे।

हरेक मेह्णु अपु भेयाड़ी जुएई झूठी झूठी बोके बोते।

से चाथि चुगिलि करणेबाड़ी, ओठी बइ दोगली बोके कते।

प्रभु सोब चुगिलि करणेबाड़ी ओठि त तेस जिभुड़ जेसे बेलि बोडी बोडी बोके निसती काट छता।

से बोते, "अस अपु जिभुड़ बइ जीतते। हें ओठ हेन्दरी वश अन्तर असे। हें प्रभु कोउं भुओ?"

दीन-दुखी मेह्णु लुटणे त गरीब मेह्णु टड़णे बझई जुएई, परमेश्वर बोता, "अब अउं खड़ींता।

जेन्हि पुठ से बाधेरी लांते, तेन्के धे अउं चैन जुएई अराम देन्ता।

परमेश्वरे वचन शुचा असा, से अगी अन्तरा जन पुठ तचाणो त सत लिंगि नरम कियो तेस चॉन्नी ईं असी।

तुईए ए भगवाना! तेन्के रक्षा कता, तेन्हि इस जवाने मेह्णु केईंया हमेशा लिए बचाई रखता।

जपल मेह्णु घटियापने इज्जत कते, तपल पापी मेह्णु चोहरो कना अकड़ी कइ हंठते फिरते रेहंते।

ए परमेश्वरा, कपल तकर! तु कि हमेशा मोउं बिसरी रखता ना?

तु कपल तकर अपु मुहँ मोउं केईंया नियोकई रखता?

मोउं कपल तकर अपणे मने मन अन्तर उपाये बणांते रेहंण, त दन भइ अपु मन दुख कता रेहुं?

कपल तकर में दुश्मण मोउं पुठ भारी रेहाल?

ए में भगवाना, में कना जे ध्यान दे त मोउं जे जबाव दे।

में टीरी अन्तर टगड़ियार एण दे, न त मोउं मरणे उंघ एई घेण असी।

ईं न भुओ कि में दुश्मण बोलियाल, "अउं तेस पुठ भारी पड़ गा,"

त इ न भोल कि जपल अउं भटकण लगुं त में दुश्मण मौजमस्ति करियेल।

पर मेईं त तें दाह पुठ भरोसा रखो असा। में दिल तें दाह दया पुठ मस्त मगन भुन्ता।

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेह्णु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपाः असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाइ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

- 9418429574
- 9418329200
- 9418411199
- 9418904168
- 9459828290

खास बोके

कदर करीण असी त जीते जी करे, मरण केईंया पता त पराईए बि रोल छते।

आज जिसम अन्तर जान असी त हेरते बि नऊ। मेह्णु जपल रुह् निस घिएल त कफण घराई घराई हेरते। केनि ठीक लिखो असु वक्त किढ़ कइ बोके करियां करे। अपु तेन्हि जुएई अगर अपणेईं न रेहियेल त तेस वक्ते की कते?

घमण्ड केस बोकी, जनाव? आज 'जन' पुठ असे त शुई 'जने' पड्डे भुन्ते।